(93)

कृपया सहयोग दें

जरावा अपनी भूमि और अंग्रेजों के शासन काल में जंगलो के कटाव से अपने को असुरक्षित मानते थे अतः लोगों से दूर रहकर अपने आस्तित्व को बचाने के लिए कोशिश किये, हुए थे। बसाहटों में आकर अपने जरुरत की वस्तुएं ले जाना इनके लिए जुर्म नहीं है क्योंकि "यह मेरा सम्पत्ति, वह आपका है" ऐसी भावना इनमे नहीं है, बल्कि यह इनके सरल प्रकृति का प्रतिबिंब हैं।

याद रखिये एक समय यह संपूर्ण द्वीप इन्हीं लोगों को थी और बाहरी सभ्यता इनको धरती पर मेहमान बनकर आये थे परंतु धीरे - धीरे उन्हें एक सीमित क्षेत्र में जंगलों में समेट दिया गया। हम और आप की पीड़ा इन लोगों की पीड़ा से अधिक नहीं है।

हमारा संगठन इनकी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और हमारा प्रयास इस ओर निरंतर है। आइए इस महान कार्य में आप हमें इस प्रकार सहयोग दें :-

1 जरावा सदस्य की आसपास में मौजुदगी में आप न उनसे और न आपस में भी अभद्र शब्दों का प्रयोग या अभद्र व्यवहार न करें क्योकि ये आपको बातों और व्यवहार को बड़ी कुशलता से ग्रहण करता है और उसी प्रकार व्यवहार भी करता है।

2 यह भोले - भाले लोग आपके आसपास जिस परिवेश में आज रह रहे हैं आप उन्हें उनकी वही स्थिति में बने रहने में क्षमतानुसार मदद करेंगे।

3 जरावा के मांगने पर भी उन्हें खाने-पीने की कोई वस्तु या अन्य वस्तु न दें अन्यथा इनमें भिक्षावृत्ति बढ़ सकती है।

4 कोई भी बुरी आदत इन्हें न सिखाएं, हो सके तो किसी प्रकार का बुरा व्यवहार करने पर इन्हें प्रेम से रोकें।

5 किसी भी प्रकार से मजाक न उड़ाएं।

6 किसी अप्रिय घटना के घटने पर नजदीक के पुलिस को तत्काल सूचना दें।

7 किसी भी प्रकार की कोई सूचना, शिकायत एवं सुझाव आपकी ओर से सादर आमांत्रित है।
आप चाहें तो आपका नाम पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा। अतः निःसंकोच मिलें या लिखें।

याद रखिए, आपकी एक छोटी गलती भयानक परिणाम दे सकती है और आपका एक छोटा सहयोग इस महान कार्य में छोटा नहीं है।

सौजन्य से—
कार्यकारी सचिव
अंडमान आदिम जनजाति विकास समिति
पोर्ट ब्लेयर
दूरभाष : 32247

Jarawa K.G.

Saji Printers, Goalghar Ph. 35133